बिके माथा साटे ओ म्हारी माँ या चुनर सतगुरु की

बिके माथा साटे ओ म्हारी माँ,
या चुनर सतगुरु की।bd।

चुनर ओढ़ूँ तो कुटुंब लजाए,
चुनर ओढ़ूँ तो कुटुंब लजाए,
नहीं तो ओढ़ूँ तो मन ललचाए,
या चुनर सतगुरु की,
बीके माथा साटे ओ म्हारी माँ,
या चुनर सतगुरु की।bd।

चुनर छोड़ूं तो सतगुरु लाजे,
चुनर छोड़ूं तो सतगुरु लाजे,
म्हारो मनक जमारो भी लजाए,
या चुनर सतगुरु की,
बीके माथा साटे ओ म्हारी माँ,
या चुनर सतगुरु की।bd।

चुनर ओढ़ूँ ने पियर छोड़ूं,
चुनर ओढ़ूँ ने पियर छोड़ूं,
म्हारा सासरिया रो सिंगार,
या चुनर सतगुरु की,
बीके माथा साटे ओ म्हारी माँ,
या चुनर सतगुरु की।bd।

बिके माथा साटे ओ म्हारी माँ,
या चुनर सतगुरु की।bd।

स्वर – संत श्री कमल किशोर जी नागर।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com